संदर्भ ग्रंथ

- ✓ शास्त्री, बाबुलला शुक्ल, "हिंदी नाट्यशास्त्र", चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2000, खंड 1,2,3,4।
- ✓ गैरोला, वाचस्पति, "कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्" चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी, 200।
- ✓ शर्मा, डॉ॰ विश्वनाथ, "हिंदी रगमंच का उद्भव और विकास", उषा पब्लिकेशिंग हाउस, जोधपुर, जयपुर, दिल्ली, 1997।
- ✓ चतुर्वेदी, रवि, "दृश्य विन्यास", पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर, 2001।
- ✓ मेघ, रमेश कुंतल, "साक्षी है सौंदर्य प्राश्निक", नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- ✓ विमल, डॉ॰ कुमार, "सौंदर्यशास्त्र के तत्व", राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पटना, 1989।
- ✓ चतुर्वेदी, डॉ॰ ममता, "सौंदर्यशास्त्र पश्चात एवं भारतीय परंपरा", राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2010।
- ✓ पाण्डेय, डॉ॰ रामजी, "भारतीय नाट्य सिद्धांत: उद्भव और विकास", बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1982।
- ✓ श्याम, डॉ॰ सीताराम झा, "नाटक और रंगमंच", बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 2000।
- ✓ चौबे, कृपशंकर, "रंग, स्वर और शब्द", वाणी प्रकाशन, 2009।
- ✓ गौतम, विकल, "हिंदी नाटक रंग शिल्प दर्शन", वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000।
- ✓ चातक, गोविंद, "रंगमंच: कला और दृष्टि", तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998।
- ✓ प्रेमशंकर, "रचना और राजनीति", वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999।
- ✓ तनेजा जयदेव, "आधुनिक भारतीय रंग-परिदृश्य", तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992।
- ✓ राजहंश, रमेश, "नाट्य प्रस्तुति एक परिचय", राधाकृष्ण, 1987।
- ✓ चौरसिया, सं॰ ओमप्रकाश, "संगीत-रस परंपरा और विचार", वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001।
- ✓ आनंद, महेश, अंकुर, देवेन्द्र राज, "रंगमंच के सिद्धांत", राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पटना, 2008।
- ✓ पटेल, डॉ॰ कपिला, "समकालीन हिंदी नाटकों में सामाजिक चेतना", मयूर प्रकाशन, 2008।

✓ रंगाचार्य, आद्य, अनु॰ वर्मा, शुभा, "भारतीय रंगमंच", नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली, 1974।

✓ अंकुर, देवेन्द्र राज, "रगमंच का सौंदर्य शास्त्र", राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पटना, 2006।

✓ मिश्र, डॉ॰ विश्वनाथ, "भारतीय और पाश्चात्य नाट्यसिद्धांत", कुसुम प्रकाशन मुजफ्फर नगर उ॰ प्र॰, 2003।

हिंदी पत्र-पत्रिका –

- पावड़े, डॉ॰ सतीश, "रस, दृश्य कला तथा विन्यास" ।
- पावड़े, डॉ॰ सतीश, "दृश्य कला एवं विन्यास में रस।
- पावड़े, डॉ॰ सतीश, "भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णवाद।
- पावड़े, डॉ॰ सतीश, "भाषा – संस्कृति – समाज के परिपेक्ष्य में नाट्यशास्त्र।
- रंग प्रसंग, राष्ट्रीय नाट्य विद्यलय, नई दिल्ली, अंक – 3, 4, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 16, 20, 33, 37, 40।
- चेहरे (नुक्कड़ नाटक संग्रह), अभिव्यक्ति जन संस्कृतिक मंच, बिहार।
- नटरंग, परिदृश्य प्रकाशन, अंक 92।
- बर्न्स, एमिल, "मार्क्सवाद क्या है", राहुल फाउंडेशन, लखनऊ, 2006।

English Books

- Praker, W. Oren, Wolf R. Craig, Block Dick, "Scene Design and Stage Lighting", Wadsworth, USA.
- Strong, Judith (Edited), "Theatre Buildings a design guide", Routledge, London, 2010.
- Dalmia, Vasudha, "Poetics, Plays, and Performance the politics of modern indian theater, Oxford university press, 2006.

- Brook, Peter, “The Empty Space”, Discus books/Published by Avon.
- Beacham, “Adolphe Appia”, Cambridge University Press.
- Alkazi Roshen, “Ancient Indian Costum”, Art Heritage, 1982.
- Hjorth, Daniel, Steyaert, Chris, “The Politics and Aesthetics of Entrepreneurship”, Edward Elgar Cheltenham, UK.
- Cuttle, Christopher, “Lighting by Design”, Architectural Press.
- Debrecen, Todd Special Makeup Effects for Stage and Screen: Making and Applying Prosthetics, Focal Press.